

رُوعَاتِهَا ۶

(۲۳) سُورَةُ الْمُؤْمِنُونَ مَكِّيَّةٌ (۷۲)

آيَاتِهَا ۱۱۸

اور ۶ رُکوع ہیں

سورہ مؤمنین مکہ میں نازل ہوا ہے

اس میں ۱۱۸ آیات ہیں

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

پڑھتا ہوں اللہ کا نام لے کر جو بڑا مہربان، نیکو دل اور مہربان ہے

قَدْ أَفْلَحَ الْمُؤْمِنُونَ ۱ الَّذِينَ هُمْ فِي صَلَاتِهِمْ

یقینان کامیاب ہیں وہ جو ایمان لائے۔ جو اپنی نماز میں پوری کرتے

خَشِعُونَ ۲ وَالَّذِينَ هُمْ عَنِ اللَّغْوِ مُعْرِضُونَ ۳

والے ہیں۔ اور جو لغوی بات سے بچنے والے ہیں۔

وَالَّذِينَ هُمْ لِلزَّكَاةِ فَاعِلُونَ ۴ وَالَّذِينَ هُمْ لِفُرُوجِهِمْ

اور جو زکوٰۃ دینے والے ہیں۔ اور جو اپنی شرمگاہوں کی حفاظت کرنے

حَافِظُونَ ۵ إِلَّا عَلَىٰ أَزْوَاجِهِمْ أَوْ مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُهُمْ

والے ہیں۔ مگر اپنی بیویوں کے ساتھ یا اپنی باندھیوں کے ساتھ

فَاتَّهَمُوا غَيْرَ مَلُومِينَ ۶ فَمَنْ ابْتغَىٰ وَرَاءَ ذَلِكَ

بے حیائی کے ان پر (ان میں) کڑی ملامت نہ کی۔ کس نے اس کے پیچھے تلاش کرے گا

فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْعَادُونَ ۷ وَالَّذِينَ هُمْ لِأَمْتِهِمْ وَعَهْدِهِمْ

تو یہی لوگ ہیں۔ اور جو اپنی امانتوں اور اپنے وعدوں کی دیکھ بھال

رَاعُونَ ۸ وَالَّذِينَ هُمْ عَلَىٰ صَلَاتِهِمْ يُحَافِظُونَ ۹

کرتے والے ہیں۔ اور جو اپنی نماز کی پابندی کرتے ہیں۔

أُولَٰئِكَ هُمُ الْوَارِثُونَ ۱۰ الَّذِينَ يَرِثُونَ الْفِرْدَوْسَ ۱۱

یہی لوگ وارث ہیں۔ وہ لوگ جو وارث ہوں گے جنتوں کے۔

هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۱۲ وَلَقَدْ خَلَقْنَا الْإِنسَانَ

وہ اس میں ہمیشہ رہیں گے۔ یقینان ہم نے انسان کو پیدا کیا

مِنْ سُلَالَةٍ مِّنْ طِينٍ ۱۳ ثُمَّ جَعَلْنَاهُ نُطْفَةً فِي قَرَارٍ

مٹی کے جلا سے۔ کس نے اس کو نطفہ بنا کر رکھا ایک مہلک

مَّكِينٍ ۱۴ ثُمَّ خَلَقْنَا النُّطْفَةَ عَلَقَةً فَخَلَقْنَا

جگہ میں۔ کس نے نطفہ کو جما ہوا پھل بنا دیا، کس نے اسے پھل

الْعَلَقَةَ مَضْغَةً فَخَلَقْنَا الْمَضْغَةَ عِظًا فَكَسَوْنَا الْعِظَ

को गोश्त का टुकड़ा बनाया, फिर गोश्त के टुकड़े से हड्डी ने उड़ियां पैदा कीं, फिर हड्डी ने उड़ियों के उपर

لَحْمًا ثُمَّ أَنشأهُ خَلْقًا آخَرَ فَتَبَرَكَ اللَّهُ أَحْسَنُ

गोश्त यण्डाया. फिर हड्डी ने उस को अक दूसरी शकल में बनाया. फिर अदलाह किता अस्थि पैदा करने वाला,

الْخَالِقِينَ ۱۴ ثُمَّ إِنَّكُمْ بَعْدَ ذَلِكَ لَمَيِّتُونَ ۱۵ ثُمَّ إِنَّكُمْ

भाबरकत है. फिर तुम उस के बाद जरूर मरने वाले हो. फिर यकीनन तुम

يَوْمَ الْقِيَامَةِ تُبْعَثُونَ ۱۶ وَلَقَدْ خَلَقْنَا فَوْقَكُمْ سَبْعَ طَرَائِقَ

क्यामत के दिन जिन्दा कर के उठाये जाओगे. यकीनन हड्डी ने तुम्हारे उपर सात आस्मान पैदा किये.

وَمَا كُنَّا عَنِ الْخَلْقِ غَافِلِينَ ۱۷ وَأَنْزَلْنَا مِنَ السَّمَاءِ مَاءً

और हड्डी मख्लूक से गाफिल नहीं. और हड्डी ने आस्मान से पानी अक भिकदार से

بِقَدَرٍ فَأَسْكَنَهُ فِي الْأَرْضِ ۱۸ وَإِنَّا عَلَى ذَهَابٍ بِهِ

उतारा, फिर हड्डी ने उसे जमीन में ठेकराया. और यकीनन हड्डी उस के ले जाने पर भी

لَقَدِرُونَ ۱۹ فَأَنْشَأْنَا لَكُمْ بِهِ جَنَّتٍ مِّنْ نَّخِيلٍ

कादिर हैं. फिर हड्डी ने तुम्हारे लिये उस पानी के जरिये भजूर और अंगूर के भागात

وَاعْتَابٍ لَّكُمْ فِيهَا فَوَاكِهِ كَثِيرَةً وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ ۲۰

उगाये. तुम्हारे लिये उन में बडोत सारे भेवे हैं और उन में से तुम भाते भी हो.

وَشَجَرَةً تَخْرُجُ مِنْ طُورٍ سَيْنَاءَ تَنْبُتُ بِالذَّهْنِ وَصَبِغٍ

और उस दरफ्त को (भी पैदा किया) जो तूरे सीना से जाने वालों के लिये तेल और सालन ले कर

لِللَّامِكِيِّينَ ۲۱ وَإِنَّ لَكُمْ فِي الْأَنْعَامِ لَعِبْرَةً ۲۲ نُسْقِيكُمْ

उगता है. और यकीनन तुम्हारे लिये यौपाओं में धरत है, के हड्डी तुम्हें पिलाते हैं

مِمَّا فِي بُطُونِهَا وَلَكُمْ فِيهَا مَنَافِعُ كَثِيرَةٌ وَمِنْهَا

उस थीज से जो उन के पेटों में हैं और तुम्हारे लिये उन में और दूसरे बडोत से फाईदे भी हैं और उन में

تَأْكُلُونَ ۲۳ وَعَلَيْهَا وَعَلَى الْفُلْكِ تُحْمَلُونَ ۲۴ وَلَقَدْ

से भाओ को तुम भाते भी हो. और तुम उन यौपाओं पर और कशतियों पर सवारी करते हो. यकीनन हड्डी ने

أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَىٰ قَوْمِهِ فَقَالَ يٰقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا

रसूल बना कर भेजा नूह (अलैहिस्सलाम) को उन की कौम की तरफ, फिर नूह (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अमेरी कौम! तुम

لَكُمْ مِنَ اللَّهِ غَيْرُهُ ۖ أَفَلَا تَتَّقُونَ ﴿۱۷﴾ فَقَالَ الْمَلَأُ الَّذِينَ

अल्लाह की धमकात करो, तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई माबूद नहीं. क्या फिर तुम डरते नहीं हो? तो सरदारों ने कहा

كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ مَا هَذَا إِلَّا بَشَرٌ مِثْلُكُمْ ۚ يُرِيدُ

जो काफिर थे आप की कौम में से के ये नूड नहीं है मगर तुम जैसा ध-सान. वो ये यादता है

أَنْ يَتَفَضَّلَ عَلَيْكُمْ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَأَنْزَلَ مَلَائِكَةً ۚ

के तुम पर इजीलत पाये. और अगर अल्लाह यादता तो इरिशतों को उतारता. हम

مَا سَمِعْنَا بِهَذَا فِي آبَائِنَا الْأَوَّلِينَ ﴿۱۸﴾ إِنَّ هُوَ إِلَّا رَجُلٌ

ने ये बात हमारे पेडले बापदादाओं में नहीं सुनी. यकीनन ये नूड तो सिर्फ़ एक ऐसा आदमी है

بِهِ جِنَّةٌ فَتَرَبَّصُوا بِهِ حَتَّىٰ حِينٍ ﴿۱۹﴾ قَالَ رَبِّ انصُرْنِي

जिसे जून है, तो तुम उस के मतअदिक धन्तार करो एक वक्त तक. नूड (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया अमेरे रब!

بِمَا كَذَّبْتُمْ ۖ فَآوْحِينَا إِلَيْهِ أَنْ اصْنَعِ الْفُلْكَ بِأَعْيُنِنَا

तूमेरी नुस्त इरमा उस पर जो उनको ने मुजे जूठलाया. तो हम ने नूड (अलैडिस्सलाम) की तरफ़ वही की के आप कशती बनाये

وَوَحِينَا فَإِذَا جَاءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَّنُورُ ۖ فَاسْلُكْ فِيهَا

हमारी आंभों के सामने और हमारे हुकम से, फिर जब हमारा हुकम आ जाये और तनूर जोश मारने लगे, तो उस

مِنْ كُلِّ زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ وَأَهْلَكَ إِلَّا مَنْ سَبَقَ

मे दामिल कर लो हर थीन क जोन (यानी) दो दो और अपने मानने वालों को मगर वो जिन के बारे में पेडले

عَلَيْهِ الْقَوْلُ مِنْهُمْ ۗ وَلَا تُخَاطِبُنِي فِي الَّذِينَ ظَلَمُوا ۗ

से बात साबित हो चुकी है. और तुम मुज से बात न करो उन लोगों के बारे में जो मुशरिक हैं.

إِنَّهُمْ مُّعْرَقُونَ ﴿۲۰﴾ فَإِذَا اسْتَوَيْتَ أَنْتَ وَمَنْ مَعَكَ

इस लिये के ये गर्क किये जायेंगे. फिर जब आप और वो जो आप के साथ हैं कशती पर बराबर सवार

عَلَى الْفُلْكِ فَقُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي بَجَدْنَا مِنَ الْقَوْمِ

हो जायें तो यूं कडिये तमाम तारीफ़ें उस अल्लाह के लिये हैं जिस ने हमें जालिम कौम से

الظَّالِمِينَ ﴿۲۱﴾ وَقُلْ رَبِّ أَنْزِلْنِي مُنْزَلًا مُبْرَكًا وَأَنْتَ

नजात दी. और यूं कडिये अमेरे रब! तू मुजे बरकत वाली जगा उतार और तू

خَيْرُ الْمُنْزِلِينَ ﴿۲۲﴾ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ وَإِنْ كُنَّا

बेहतरीन उतारने वाला है. यकीनन उस में निशानियां हैं और यकीनन

لِبَتْلَيْنِ ۝ ثُمَّ أَنْشَأْنَا مِنْ بَعْدِهِمْ قَرْنًا آخَرِينَ ۝

उम आज़माने वाले हैं. फिर उन के बाद उम ने दूसरी कौम पैदा की.

فَأَرْسَلْنَا فِيهِمْ رَسُولًا مِّنْهُمْ أَنْ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ

फिर उम ने उन में भी उन्ही में से रसूल भेजा के तुम अल्लाह की ईबादत करो, तुम्हारे लिये

مِّنْ إِلَهِ غَيْرُهُ ۖ أَفَلَا تَتَّقُونَ ۝ وَقَالَ الْمَلَأُ مِنْ قَوْمِهِ

उस के अलावा कोई माबूद नहीं. क्या फिर तुम डरते नहीं हो? और उन की कौम के सरदारों ने कहा

الَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَالِالَّذِينَ

जो काफिर थे और जिन्होंने आभिरत की मुलाकात को जूठलाया था और उम ने उन्हें दुन्यवी जिन्दगी में

فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۖ مَا هَذَا إِلَّا بَشَرٌ مِّثْلُكُمْ ۖ يَأْكُلُ

आसूदा बना रहा था. उन्होंने कहा के ये तो नहीं है मगर तुम जैसा अक ई-सान. वो खाता है

مِمَّا تَأْكُلُونَ مِنْهُ وَيَشْرَبُ مِمَّا تَشْرَبُونَ ۝

उस में से जो तुम खाते हो और पीता है उस में से जो तुम पीते हो. और अगर तुम केडना

وَلَبِئْسَ أَطْعَمُ بَشَرًا مِّثْلُكُمْ ۚ إِنَّكُمْ إِذْ الْأَخْسَرُونَ ۝

मान लोगे अपने जैसे अक ई-सान का तो यकीनन तुम भसारा उठाने वाले हो. क्या वो तुम से वादा

أَنْتُمْ إِذَا مِتُّمْ وَكُنْتُمْ تُرَابًا وَعِظَامًا أَنْتُمْ مُّخْرَجُونَ ۝

करता है के तुम जब मर जाओगे और मिट्टी हो जाओगे और उड्डियां हो जाओगे तो तुम जिन्दा कर के

هَيَّاهَاتَ هَيَّاهَاتَ لِمَا تُوعَدُونَ ۝ إِنَّ هِيَ إِلَّا حَيَاتُنَا

निकाले जाओगे. दूर है दूर है वो जिस का तुम्हें वादा किया जा रहा है. ये जिन्दगी नहीं है मगर हमारी दुन्यवी

الذُّنْيَا نَبُوتٌ وَنَحْيَا وَمَا نَحْنُ بِبَعْعُوثِينَ ۝ إِنَّ هُوَ

जिन्दगी के उम मरते हैं और उम जिन्दा होते हैं और उम दोबारा जिन्दा कर के कब्रों से उठाये नहीं जायेंगे. ये नबी

إِلَّا رَجُلٌ أَفْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا وَمَا نَحْنُ لَهُ بِمُؤْمِنِينَ ۝

नहीं है मगर अक शप्स जिस ने अल्लाह पर जूठ घस लिया है और उम उस पर ईमान लाने वाले नहीं हैं.

قَالَ رَبِّ انصُرْنِي بِمَا كَذَّبْتَنِي ۝ قَالَ عَمَّا قَلِيلٍ

नबी ने कहा के ओ मेरे रब! तू मेरी नुस्सत इरमा ईस वजह से के उन्होंने मुझे जूठलाया. अल्लाह ने इरमाया के थोडे

يُصِيبُحَنَّ نَدِيمِينَ ۝ فَأَخَذَتْهُمُ الصَّيْحَةُ بِالْحَقِّ فَجَعَلْنَاهُمْ

डी टिनों में ये उड्डर नादिम होंगे. फिर उन को अक थीप ने पकड लिया सख्ये वादे पर, फिर उम ने उन्हें

عُنَاءً ۷ فَبَعْدًا لِّلْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ﴿۳۱﴾ ثُمَّ أَنشَأْنَا

कूडा करकट बना दिया. फिर नास हो आलमि कौम के लिये. फिर उम ने

مِّنْ بَعْدِهِمْ قُرُونًا آخَرِينَ ﴿۳۲﴾ مَا تَسْبِقُ مِنْ أُمَّةٍ أَجَلَهَا

उन के बाद दूसरी कौम पैदा की. कोई उम्मत अपने मुकर्ररा वकत से न आगे जा सकती है

وَمَا يَسْتَأْخِرُونَ ﴿۳۳﴾ ثُمَّ أَرْسَلْنَا رَسُولَنَا تَتْرَاطُ كَلِمًا

और न पीछे हट सकती है. फिर उम ने अपने रसूल लगातार भेजे. जब कभी

جَاءَ أُمَّةٌ رَّسُولُهَا كَذَّبُوهُ فَاتَّبَعْنَا بَعْضَهُمْ بَعْضًا

किसी उम्मत के पास उन का रसूल आता तो वो उसे जुठलाते, फिर उम भी उन में से अेक के बाद दूसरे को उलाक

وَجَعَلْنَاهُمْ أَحَادِيثَ ۷ فَبَعْدًا لِّلْقَوْمِ لَّا يُؤْمِنُونَ ﴿۳۴﴾

करते यले गये, और उम ने उन को क्खानियां बना दिया. फिर नास हो ऐसी कौम के लिये जो धमान नहीं लाती.

ثُمَّ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ وَأَخَاهُ هَارُونَ ۸ بِآيَاتِنَا وَ سُلْطٰنِ

फिर उम ने मूसा और उन के भाई हारून (अलैहिस्सलाम) को रसूल बना कर भेजा अपने मोअजिअत दे कर और रोशन

مُّبِينٍ ﴿۳۵﴾ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِ فَاسْتَكْبَرُوا وَكَانُوا قَوْمًا

हलील दे कर. फिरऔन और उस की जमाअत की तरफ़, तो उन्हों ने तक्बुर किया और वो बडाई मारने वाले

عَالِينَ ﴿۳۶﴾ فَقَالُوا أَنُؤْمِنُ مِن لِّبَشَرَيْنِ مِثْلِنَا وَ قَوْمُهُمَا

लोग थे. फिर उन्हों ने क्हा क्या उम धमान लाओं अपने जैसे दो ध-सानों पर उलांक उम की कौम

لَنَا عِبْدُونَ ﴿۳۷﴾ فَكَذَّبُوهُمَا فَكَانُوا مِنَ الْهٰلِكِينَ ﴿۳۸﴾

उमारी गुलाम है. फिर उन्हों ने उन दोनों को जुठलाया, युनांये वो उलाक किये जाने वालों में से हो गये.

وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى الْكِتٰبَ لَعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ ﴿۳۹﴾

यकीनन उम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को किताब दी, शायद वो लोग छिदायत पाओं.

وَجَعَلْنَا ابْنَ مَرْيَمَ وَأُمَّهُ آيَةً ۙ وَأَوَيْنَهُمَا إِلَىٰ رَبْوَةٍ

और उम ने मरयम (अलैहिस्सलाम) के भेटे और उन की मां को मोअजिअ बनाया और उम ने उन दोनों को ठिकाना

ذٰتِ قَرَارٍ ۙ وَمَعِينٍ ﴿۴۰﴾ يَا أَيُّهَا الرُّسُلُ كُتُبُوا

दिया अेक टीले के पास जो ठेडेरने के लाईक और यश्मे वाला था. अे पैगम्बरों! तुम जाओ

مِنَ الطَّيِّبٰتِ وَاعْمَلُوا صٰلِحًا ۙ إِنِّي بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ ﴿۴۱﴾

पाकीजा थीजों में से और आमावे सालेडा करो. यकीनन मैं तुम्हारे आमाल भूष जानता हूँ.

۲۵۱

وَإِنَّ هَذِهِ أُمَّتُكُمْ أُمَّةً وَاحِدَةً وَأَنَا رَبُّكُمْ فَاتَّقُونِ ﴿۵۷﴾

और यकीनन ये तुम्हारी उम्मत अेक ही उम्मत है और मैं तुम्हारा रब हूँ, तो तुम मुज से डरो.

فَتَقَطَّعُوا أَمْرَهُمْ بَيْنَهُمْ زُبُرًا كُلُّ حِزْبٍ بِمَا لَدَيْهِمْ

फिर वो अपने (दीन के) मुआमले में जमाअतें बन कर टुकडे टुकडे हो गये. हर गिरोह उस पर भुश है

فَرِحُونَ ﴿۵۸﴾ فَذَرَهُمْ فِي غَمَرَتِهِمْ حَتَّىٰ حِينٍ ﴿۵۹﴾ أَيْحَسِبُونَ

जो उन के पास है. इस लिये आप उन को उन की गुमराही में अेक वकत तक छोड दीजिये. क्या ये गुमान

أَنَّمَا نُمِدُّهُمْ بِهِ مِنْ مَّالٍ وَبَنِينٍ ﴿۶۰﴾ نُسَارِعُ لَهُمْ

कर रहे हैं के जो हम माल और बेटे उन्हें दे रहे हैं, तो हम उन के लिये भलाइयों में जल्दी कर रहे हैं? बल्के

فِي الْخَيْرَاتِ ۗ بَلْ لَا يَشْعُرُونَ ﴿۶۱﴾ إِنَّ الَّذِينَ هُمْ مِنْ خَشِيَةِ

ये लोग समजते नहीं. यकीनन वो जो अपने रब के भौंक से

رَبِّهِمْ مَشْفِقُونَ ﴿۶۲﴾ وَالَّذِينَ هُمْ بِآيَاتِ رَبِّهِمْ يُؤْمِنُونَ ﴿۶۳﴾

डरते हैं. और जो अपने रब की आयतों पर इमान रखते हैं.

وَالَّذِينَ هُمْ بِرَبِّهِمْ لَا يُشْرِكُونَ ﴿۶۴﴾ وَالَّذِينَ يُؤْتُونَ

और जो अपने रब के साथ शरीक नहीं करते. और देते हैं वो जो भी

مَا اتَّوَا وَقُلُوبُهُمْ وَجِلَةٌ أَنَّهُمْ إِلَىٰ رَبِّهِمْ رَاجِعُونَ ﴿۶۵﴾

देते हैं इस डाल में के उन के दिल डर रहे होते हैं के उन्हें अपने रब की तरफ लौट कर जाना है.

أُولَٰئِكَ يُسْرِعُونَ فِي الْخَيْرَاتِ ۗ وَهُمْ لَهَا سَابِقُونَ ﴿۶۶﴾

यही लोग भलाइयों में जल्दी करते हैं और वही उस की तरफ सबकत करने वाले हैं. हम किसी शम्स

وَلَا نُكَلِّفُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا ۗ وَلَدَيْنَا مَكْتُبٌ يَبْنُطُ

पर भोज नहीं डालते मगर उस की ताकत के मुताबिक और हमारे पास किताब (आमाल नामा) है जो

بِالْحَقِّ ۗ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۶۷﴾ بَلْ قُلُوبُهُمْ فِي غَمَرَةٍ

सख्याई के साथ (हर बात) भतला देगी और उन पर जुल्म नहीं डोगा. बल्के उन के दिल उस से गड़लत

مِّنْ هٰذَا وَلَهُمْ أَعْمَالٌ مِّنْ دُونِ ذٰلِكَ هُمْ لَهَا عَمَلُونَ ﴿۶۸﴾

में हैं और उन के उस के अलावा और भी आमाल हैं जो वो कर रहे हैं.

حَتَّىٰ إِذَا أَخَذْنَا مُتْرَفِيَهُمْ بِالْعَذَابِ إِذَا هُمْ يَجْعَرُونَ ﴿۶۹﴾

यहां तक के जब हम उन के भुशडाल लोगों को अजाब में पकड़ेंगे, तो झैरन वो यिल्वाने लगेंगे.

لَا تَجْرُوا الْيَوْمَ اتِّكُم مِّمَّا لَا تَنْصُرُونَ ﴿۱۵﴾ قَدْ كَانَتْ

(कडा जाअगे॥ के) आज मत चिद्लाओ. यकीनन तुम्हारी ह्म से (अयाने के लिये) मदद नहीं की जाअगी.

أَيَّتِي تُنَالِي عَلَيْكُمْ فَكُنْتُمْ عَلَىٰ أَعْقَابِكُمْ تَنْكِبُونَ ﴿۱۶﴾

ईस लिये के हमारी आयते तुम पर तिलावत की जाती थीं, तो तुम अपनी ओडियों के अल उद्वे भागते थे.

مُسْتَكْبِرِينَ ۖ بِهِ سِرًّا تَهْجُرُونَ ﴿۱۷﴾ أَفَلَمْ يَدَّبَّرُوا

तकभुर करते हुवे, रात में कुर्आन के षिलाफ़ किस्सागोई करते, उस को छोडते हुवे. क्या उनहों ने ईस

الْقَوْلِ أَمْ جَاءَهُمْ مَّا لَمْ يَأْتِ آبَاءَهُمُ الْأَوَّلِينَ ﴿۱۸﴾

भात में गौर नहीं किया या उन के पास आई वो थीज जो उन के पेडले बापदादा के पास नहीं आई?

أَمْ لَمْ يَعْرِفُوا رَسُولَهُمْ فَهُمْ لَهُ مُنْكَرُونَ ﴿۱۹﴾

या उनहों ने अपने रसूल को पेडयाना नहीं, फिर वो उसे अजनबी समजते हैं?

أَمْ يَقُولُونَ بِهِ جِنَّةٌ ۗ بَلْ جَاءَهُمُ بِالْحَقِّ وَ أَكْثَرُهُمْ

या वो केडते हैं के ईस नबी को जून है? अडे वो उन के पास डक ले कर आया है और उन में से अकसर

لِلْحَقِّ كَرِهُونَ ﴿۲۰﴾ وَلَوْ اتَّبَعَ الْحَقُّ أَهْوَاءَهُمْ لَفَسَدَتِ

डक को नापसन्द करते हैं. और अगर डक उन की ष्वाडिशात के ताअेअ होता तो आस्मान

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَنْ فِيهِنَّ ۗ بَلْ أَتَيْنَهُمْ بِذِكْرِهِمْ

और जमीन और जो उन में हैं सब तभाड हो जाते. अडे हम उन के पास उन की नसीडत लाअे हैं,

فَهُمْ عَنْ ذِكْرِهِمْ مُعْرِضُونَ ﴿۲۱﴾ أَمْ تَسْأَلُهُمْ خَرْجًا

फिर वो अपनी नसीडत से अैराज कर रहे हैं. क्या आप उन से अर्य का सवाल करते हैं?

فَخَرَجَ رَبِّكَ خَيْرٌ ۖ وَهُوَ خَيْرُ الرَّازِقِينَ ﴿۲۲﴾ وَإِنَّكَ

फिर आप के रअ का दिया हुवा अर्य अेडतर है. और वो अेडतरीन रोजी देने वाला है.

لَتَدْعُوهُمْ إِلَىٰ صِرَاطٍ مُّسْتَقِيمٍ ﴿۲۳﴾ وَإِنَّ الَّذِينَ

और यकीनन आप उनहें बुलाते हैं सीधे रास्ते की तरफ़. और जो

لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ عَنِ الصِّرَاطِ لَنُكَيِّبُنَّ ﴿۲۴﴾

आभिरत पर ईमान नहीं रअते वो सीधे रास्ते से मुंड मोड रहे हैं. और अगर हम उन पर

وَلَوْ رَحِمْنَاهُمْ وَكَشَفْنَا مَا بِهِمْ مِنْ ضُرٍّ لَلَجُّوا فِي طُغْيَانِهِمْ

रहम करें और उन से उस तकलीफ़ को दूर कर दें जो उन को है तो जरूर वो लगे रहेंगे अपनी शरारत में

يَعْمَهُونَ ﴿۵۹﴾ وَلَقَدْ أَخَذْنَاهُمْ بِالْعَذَابِ فَمَا اسْتَكَانُوا

بہلے کتے ہوں۔ یقیناً انہوں نے ان کو آواز میں پکڑا، لیکن انہوں نے اپنے رب کے سامنے

لِرَبِّهِمْ وَمَا يَتَضَرَّعُونَ ﴿۶۰﴾ حَتَّىٰ إِذَا فَتَحْنَا عَلَيْهِم بَابًا

نہ آجیڑی کی اور نہ گیس گیس آئے۔ یہاں تک کہ جب انہوں نے ان پر سب سے آواز کے

ذَا عَذَابٍ شَدِيدٍ إِذَا هُمْ فِيهِ مُبْلِسُونَ ﴿۶۱﴾ وَهُوَ الَّذِي

دہراواتے ہوئے دیتے تو اچانک وہ اس میں مایوس ہو کر رہ جاتے۔ اور وہی اللہ ہے

أَنْشَأَ لَكُمْ السَّمْعَ وَالْأَبْصَارَ وَالْأَفْئِدَةَ ۗ قَلِيلًا

جس نے تمہارے دلوں، کانوں اور آنکھوں اور دماغ بنائے۔ بہت کم

مَا تَشْكُرُونَ ﴿۶۲﴾ وَهُوَ الَّذِي ذَرَأَكُمْ فِي الْأَرْضِ

تو تم شکر ادا کرتے ہو۔ اور وہی اللہ ہے جس نے تمہیں زمین میں پیدا کیا

وَالْيَهُ تُحْشَرُونَ ﴿۶۳﴾ وَهُوَ الَّذِي يُحْيِي وَيُمِيتُ وَلَهُ

اور اسی کی طرف تم لوگوں کو جمع کرتے ہیں اور وہی اللہ ہے جو زندہ کرتا ہے اور اسی کے لیے

اِخْتِلَافُ اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ ۗ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۶۴﴾ بَلْ قَالُوا

رات اور دن کا آنا جانا ہے۔ کیا لیکن تم انہیں نہیں سمجھتے؟ بلکہ انہوں نے کہا

مِثْلَ مَا قَالَ الْأَوَّلُونَ ﴿۶۵﴾ قَالُوا إِذَا مِتْنَا وَكُنَّا تُرَابًا

اسی جیسی بات جو پہلے لوگوں نے کہی تھی۔ انہوں نے کہا کہ کیا جب ہم مر جائیں گے اور مٹی ہو جائیں گے

وَعِظَامًا ءَأَنَّا لَمَبْعُوثُونَ ﴿۶۶﴾ لَقَدْ وَعَدْنَا نَحْنُ وَآبَاؤُنَا

اور ہڈیاں ہو جائیں گے، تب ہم کبھی سے اٹھائے جائیں گے؟ یقیناً ہم سے اور ہمارے باپ داداؤں سے

هَذَا مِنْ قَبْلُ ۗ إِنْ هَذَا إِلَّا أَسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ﴿۶۷﴾ قُلْ

یہ اس کا سچ سے پہلے کہا گیا تھا، یقیناً یہ پہلے لوگوں کی باتوں کی تکرار ہے۔ آپ فرما

لَيَسِّنَ اللَّهُ لِرِجْلِكُمْ وَلَيَسِّنَ اللَّهُ لِرِجْلِكُمْ وَلَيَسِّنَ اللَّهُ لِرِجْلِكُمْ سَيَقُولُونَ

ہی جیڑی کے کس کی مٹک ہے زمین اور وہ بھی جیڑی جیڑی میں ہے اگر تمہیں مالوم ہے؟ انکریں وہ کہیں گے

لِلَّهِ ۗ قُلْ أَفَلَا تَتَذَكَّرُونَ ﴿۶۸﴾ قُلْ مَنْ رَبُّ السَّمَوَاتِ السَّبْعِ

کے اللہ ہے۔ آپ فرما ہی جیڑی کیا لیکن تم نہ سیدھے اسی سے نہیں کرتے؟ آپ فرما ہی جیڑی کون سا تو

وَرَبُّ الْعَرْشِ الْعَظِيمِ ﴿۶۹﴾ سَيَقُولُونَ لِلَّهِ ۗ قُلْ أَفَلَا

آسمانوں کا رب ہے اور اسی کا رب ہے؟ انکریں وہ کہیں گے اللہ ہے۔ آپ فرما ہی جیڑی کے کیا لیکن



تَتَّقُونَ ﴿۸۷﴾ قُلْ مَنْ بِيَدِهِ مَلَكُوتُ كُلِّ شَيْءٍ وَهُوَ يُجِيرُ

तुम डरते नहीं हो? आप इरमा दीजिये के किस के कब्जे में है डर थीज की सलतनत और जो पनाड देता है

وَلَا يُجَارُ عَلَيْهِ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۸۸﴾ سَيَقُولُونَ لِلَّهِ

और उस पर किसी को पनाड नहीं दी जा सकती अगर तुम्हें माखूम है? अनकरीब वो कछेओ के अद्लाड के लिये

قُلْ فَأَنَّى تُسْحَرُونَ ﴿۸۹﴾ بَلْ أَتَيْنَهُم بِالْحَقِّ وَإِنَّهُمْ

आप इरमा दीजिये के फिर तुम कहां से जादूजाद हो जाते हो? बलके डम उन के पास डक को लाअे है और यकीनन वो

لَكَذِبُونَ ﴿۹۰﴾ مَا اتَّخَذَ اللَّهُ مِنْ وَلَدٍ وَمَا كَانَ مَعَهُ

जूठे हैं. अद्लाड ने औलाद नहीं बनाई और उस के साथ कोई माबूह नहीं.

مِنْ إِلَهٍ إِذَا لَدَّهَبَ كُلُّ إِلَهٍ بِمَا خَلَقَ وَلَعَلَّ بَعْضُهُمْ

तब तो डर माबूह अपनी मख्लूक को ले कर अलग हो जाता और उन में से अक दूसरे

عَلَى بَعْضٍ ۚ سُبْحَانَ اللَّهِ عَمَّا يُصِفُونَ ﴿۹۱﴾ عَلِيمِ الْغَيْبِ

पर यण्डाई करता. अद्लाड पाक है उन बातों से जो वो बयान कर रहे हैं. जो पोशीदा और आडिर को

وَالشَّهَادَةِ فَتَعَالَى عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿۹۲﴾ قُلْ رَبِّ إِمَّا تُرِيدُنِي

जानने वाला है, फिर भरतर है उस से जो ये शरीक बनाते हैं. आप इरमा दीजिये अे मेरे रब! अगर तू मुजे

مَا يُوعَدُونَ ﴿۹۳﴾ رَبِّ فَلَا تَجْعَلْنِي فِي الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ﴿۹۴﴾

दिभाअे वो जिस से उन्हे डराया जा रहा है. अे मेरे रब! तू मुजे आलिम लोगों में शामिल मत करना. और

وَإِنَّا عَلَىٰ أَنْ نُرِيكَ مَا نَعِدُهُمْ لَقَدِيرُونَ ﴿۹۵﴾ اِذْفَعْ بِالَّتِي

यकीनन डम ईस पर कादिर हैं के आप को दिभा दे वो अजाब जिस से डम उन्हे डरा रहे हैं. आप दक

هِيَ أَحْسَنُ السَّيِّئَةِ ۗ نَحْنُ أَعْلَمُ بِمَا يَصِفُونَ ﴿۹۶﴾

कीजिये बुराई को उस तरीके से जो बेडतर हो. डम खूब जानते हैं जो कुछ वो बयान कर रहे हैं.

وَقُلْ رَبِّ أَعُوذُ بِكَ مِنْ هَمَزَاتِ الشَّيْطَانِ ﴿۹۷﴾ وَأَعُوذُ

और आप इरमा दीजिये अे मेरे रब! मैं शयतान के वसाविस से तेरी पनाड मांगता हूं और मैं तेरी पनाड

بِكَ رَبِّ أَنْ يَحْضُرُونَ ﴿۹۸﴾ حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ أَحَدَهُمُ الْمَوْتُ

मांगता हूं ईस से के वो मेरे पास डाडिर हों. यहां तक के जब उन में से किसी अक की मौत आअेगी

قَالَ رَبِّ ارْجِعُونِ ﴿۹۹﴾ لَعَلِّي أَعْمَلُ صَالِحًا فِيمَا تَرَكْتُ

वो कडेगा अे मेरे रब! तू मुजे (दुन्या में) वापस लौटा दे. शायद मैं नेक अमल करूं ईस दुन्या में जिस को मैं

كَلَامٌ إِنَّهَا كَلِمَةٌ هُوَ قَائِلُهَا وَمِنْ وَرَائِهِمْ

छोड़ कर आया हूँ उरगिळ नहीं। यकीनन ये (बे मअना) कलाम है जो वो कहे जा रहा है। और उन के पीछे

بَرْزَخٍ إِلَى يَوْمِ يُبْعَثُونَ ﴿۱۱۰﴾ فَإِذَا نُفِخَ فِي الصُّورِ

बरज़ख है उस दिन तक जिस दिन (कब्रों से) मुद्दे उठाये जायेंगे। फिर जब सूर में झूंक मारी जायेगी

فَلَا أُنسَبُ بَيْنَهُمْ يَوْمَئِذٍ وَلَا يَتَسَاءَلُونَ ﴿۱۱۱﴾ فَمَنْ

तो उन के दरमियान उस दिन न रिश्तेदारियां होंगी और न वो अेक दूसरे को पूछेंगे। फिर जिन के

تَقَلَّتْ مَوَازِينُهُ فَأُولَئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۱۱۲﴾ وَمَنْ

वज़न के पलने भारी होंगे तो ये इलाह पाने वाले हैं। और जिन के

خَفَّتْ مَوَازِينُهُ فَأُولَئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا

वज़न के पलने हल्के होंगे, ये वो लोग हैं जिनको ने अपनी जानों को

أَنْفُسَهُمْ فِي جَهَنَّمَ خَلِدُونَ ﴿۱۱۳﴾ تَلْفَحُ وُجُوهَهُمْ

भसारे में ढाला, वो जहन्नम में हमेशा रहेंगे। आगे उन के चेहरे ज़ुलसा

النَّارِ وَهُمْ فِيهَا كَالِحُونَ ﴿۱۱۴﴾ أَلَمْ تَكُنْ أَيْتِي تَتْلُو

देगी और वो उस में बहसकल हो कर पड़े रहेंगे। (कहा जायेगा) क्या मेरी आयतें तुम पर तिलावत नहीं

عَلَيْكُمْ فَكُنْتُمْ بِهَا تُكذِّبُونَ ﴿۱۱۵﴾ قَالُوا رَبَّنَا عَلَبَتْ

की जाती थीं, फिर तुम उन आयतों को ज़ुहलाते थे? वो कहेंगे अे हमारे रब! हम पर

عَلَيْنَا شَفِئَتِنَا وَكُنَّا قَوْمًا ضَالِّينَ ﴿۱۱۶﴾ رَبَّنَا أَخْرِجْنَا

हमारी बहबप्ती गालिब आ गई और हम गुमराह लोग थे। अे हमारे रब! तू हमें जहन्नम से निकाल,

مِنْهَا فَإِنَّ عُدْنَا فَإِنَّا ظَالِمُونَ ﴿۱۱۷﴾ قَالَ اخْسَؤْا فِيهَا

फिर अगर हम दोबारा अैसा करे तो यकीनन हम कुसूरवार हैं। अल्लाह इरमाअगे के तुम उस में जलील

وَلَا تُكَلِّمُونَ ﴿۱۱۸﴾ إِنَّهُ كَانَ فَرِيقٌ مِّنْ عِبَادِي

हो कर पड़े रहो और तुम मुज से बात मत करो। इस लिये के मेरे बन्दों की अेक जमाअत

يَقُولُونَ رَبَّنَا أَمِنَّا فَاغْفِرْ لَنَا وَارْحَمْنَا وَأَنْتَ خَيْرُ

क़ेदती थी के अे हमारे रब! हम ईमान लाअे, तू हमारी मगफ़िरत कर दे और तू हम पर रहम इरमा और तू

الرَّحِيمِينَ ﴿۱۱۹﴾ فَاتَّخَذْتُمُوهُمْ سِحْرِيًّا حَتَّىٰ أَنْسَوْكُمُ

भेउतरीन रहम करने वाला है। तो तुम ने उन्हे मजाक बनाया था यहाँ तक के उन्हों ने तुम से मेरी

ذِكْرِي وَكُنْتُمْ مِنْهُمْ تَضْحَكُونَ ﴿۱۱﴾ اِنِّي جَزَيْتُهُمُ الْيَوْمَ

याद को भुला दिया था और तुम उन से हंसते रहे. यकीनन मैं ने आज उन्हें भुला दिया

بِمَا صَبَرُوا ۗ اَنْهُمْ هُمُ الْفَائِزُونَ ﴿۱۲﴾ قُلْ كَمْ لَبِئْتُمْ

उन के सध्र का के वो डी काम्याब हैं. अदलाड पूछेंगे के तुम जमीन

فِي الْمَرَضِ عَدَدَ سِنِينَ ﴿۱۳﴾ قَالُوا لَبِئْنَا يَوْمًا

में सालों की गिनती के अतेबार से कितना रहे? वो कहेंगे के अक दिन या अक दिन

اَوْ بَعْضَ يَوْمٍ فَسَلِ الْعَادِّينَ ﴿۱۴﴾ قُلْ اِنْ لَبِئْتُمْ اِلَّا قَلِيلًا

से भी कम, फिर आप गिनने वालों से पूछ लीजिये. अदलाड इरमाअेंगे के तुम नहीं रहे मगर थोडा,

لَوْ اَنَّكُمْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۱۵﴾ اَفَحَسِبْتُمْ اَنَّمَا خَلَقْنَاكُمْ

काश के तुम जानते. या फिर तुम ने ये गुमान कर रभा है के हम ने तुम्हें बेकार

عَبَثًا وَّ اَنَّكُمْ اِلَيْنَا لَا تُرْجَعُونَ ﴿۱۶﴾ فَتَعَلَى اللّٰهُ الْمَلِكُ

पैदा किया है और ये के तुम हमारी तरफ वापस नहीं लाये जाओगे? फिर अदलाड जो भरडक भादशाड है,

الْحَقُّ ۗ لَا اِلٰهَ اِلَّا هُوَ رَبُّ الْعَرْشِ الْكَرِيمِ ﴿۱۷﴾ وَمَنْ

वो भरतर है. उस के सिवा कोई माबूद नहीं. वो अर्श अजीम का रभ है. और जो

يَدْعُ مَعَ اللّٰهِ اِلٰهًا اٰخَرَ ۗ لَا بُرْهَانَ لَهٗ بِهٖ ۙ فَاتَمَّا

अदलाड के साथ दूसरे माबूद को पुकारे जिस की उस के पास कोई दलील नहीं, तो उस का छिसाभ सिर्फ

حِسَابُهُ عِنْدَ رَبِّهٖ ۗ اِنَّهٗ لَا يُفْلِحُ الْكٰفِرُونَ ﴿۱۸﴾

उस के रभ के यडां डोगा. यकीनन काफिर लोग इलाड नहीं पाअेंगे. और आप

وَقُلْ رَبِّ اغْفِرْ وَّارْحَمْ وَاَنْتَ خَيْرُ الرَّحِمِيْنَ ﴿۱۹﴾

केड दीजिये अे मेरे रभ! तू मगफिरत इरमा और रडम कर और तू बेडतरीन रडम करने वाला है.

رُكُوعًا ۙ ۹

(۱۲) سُورَةُ النُّورِ مَكِّيَّةٌ (۱۰۲)

آيَاتُهَا ۶۳

और ८ रुकूअ हैं

सूरअे नूर मदीना में नाजिल हुई

ईस में ६४ आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पणडता हूं अदलाड का नाम ले कर जो बडा मेडरभान, निडायत रडम वाला है

سُورَةٌ اَنْزَلْنَاهَا وَفَرَضْنَاهَا وَاَنْزَلْنَا فِيهَا آيٰتٍ بَيِّنٰتٍ

ये अक सूरत है जिस को हम ने उतारा है और जिस को हम ने इरल किया है और ईस सूरत में हम ने

لَعَنَّكُمْ تَذَكَّرُونَ ۝ الزَّانِيَةُ وَالزَّانِي فَاجْلِدُوا كُلَّ

रोशन आयते उतारी है ताके तुम नसीहत छसिल करो. जिना करने वाली औरत और जिना करने वाला मर्द, तो

وَاحِدٍ مِّنْهُمَا بِأَفْءِ جَلْدَةٍ ۖ وَلَا تَأْخُذْكُمْ بِهِمَا رَأْفَةٌ

तुम उन में से हर एक को सौ कोडे मारो. और तुम्हें उन पर रहम न आये

فِي دِينِ اللَّهِ إِنَّ كُنْتُمْ تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

अल्लाह के हुकम की तामील में अगर तुम ईमान रखते हो अल्लाह पर और आखिरी दिन पर.

وَلَيْسَ هَدَىٰ عَذَابُهُمَا طَآئِفَةٌ مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ ۝ الزَّانِي

और यादिये के उन को सजा देते वकत ईमान वालों की एक जमाअत मौजूद रहे. जिना करने वाला मर्द

لَا يَنْكِحُ إِلَّا زَانِيَةً أَوْ مُشْرِكَةً ۖ وَالزَّانِيَةُ لَا يَنْكِحُهَا

निकाह नहीं करता मगर जिनाकार औरत से या मुशरिक औरत से. और जिनाकार औरत से निकाह नहीं करता

إِلَّا زَانٍ أَوْ مُشْرِكٌ ۖ وَحَرَّمَ ذَٰلِكَ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ ۝

मगर जिना करने वाला मर्द या मुशरिक. और ये ईमान वालों पर हराम कर दिया गया है.

وَالَّذِينَ يَرْمُونَ الْمُحْصَنَاتِ ثُمَّ لَمْ يَأْتُوا بِأَرْبَعَةٍ

और जो पाकदामन औरतों पर तोहमत लगाएँ, फिर वो चार गवाह

شُهَدَاءَ فَاجْلِدُوهُمْ ثَمَانِينَ جَلْدَةً ۖ وَلَا تَقْبَلُوا لَهُمْ

न लाएँ, तो तुम उन को अस्सी कोडे मारो और उन की गवाही कभी भी

شَهَادَةً أَبَدًا ۖ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْفَاسِقُونَ ۝ إِلَّا الَّذِينَ

कबूल न करो. और ये लोग नाइरमान हैं. मगर वो लोग

تَابُوا مِن بَعْدِ ذَٰلِكَ وَأَصْلَحُوا ۖ فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ

जिन्होंने ने तौबा की इस के बाद और ईस्लाह कर ली, तो यकीनन अल्लाह क्षमा करने वाला,

رَحِيمٌ ۝ وَالَّذِينَ يَرْمُونَ أَرْوَاجَهُمْ وَلَمْ يَكُنْ لَهُمْ

निडायत रहम वाला है. और जो अपनी भीवियों पर तोहमत लगाएँ और उन के पास गवाह न

شُهَدَاءَ إِلَّا أَنفُسُهُمْ فَشَهَادَةُ أَحَدِهِمْ أَرْبَعُ شَهَدَاتٍ

हों सिवाये अपने आप के तो उन में से एक की गवाही चार भरतबा अल्लाह की कसम जा कर गवाही

بِاللَّهِ ۖ إِنَّهُ لَمِنَ الصَّادِقِينَ ۝ وَالْخَامِسَةُ أَنَّ لَعْنَتَ

देना है के यकीनन वो सच्चा है. और पांचवी (गवाही में ये कहे) के अल्लाह की

اللَّهُ عَلَيْهِ إِنْ كَانَ مِنَ الْكٰذِبِيْنَ ۝ وَيَدْرُوْا عَنْهَا

लानत है मेरे उपर अगर मैं जूठों में से हूँ. और औरत से सजा

الْعَدَابِ أَنْ تَشْهَدَ اَرْبَعٍ شَهِدَتْ بِاللَّهِ إِنَّهُ

टल सकती है के वो यार भरतभा अल्लाह की कसम भा कर गवाही दे के यकीनन ये मर्द

لِمَنِ الْكٰذِبِيْنَ ۝ وَالْخَامِسَةَ اَنَّ غَضَبَ اللّٰهِ عَلَيْهَا

जूठों में से है. और पांचवी गवाही (में यूँ कहे) के मेरे उपर अल्लाह का गजब हो

إِنْ كَانَ مِنَ الصّٰدِقِيْنَ ۝ وَلَوْ اَنَّ اللّٰهَ عَلَيَكُمْ

अगर वो मर्द सच्यों में से है. और अगर अल्लाह का तुम पर इजल और उस की मेहरबानी न होती

وَرَحْمَتُهُ وَاَنَّ اللّٰهَ تَوَابٌ حَكِيْمٌ ۝ اِنَّ الَّذِيْنَ جَاءُوْ

(तो अजाब आ जाता) और ये के अल्लाह तौबा कबूल करने वाला, डिक्मत वाला है. यकीनन वो लोग जो भदतरीन

بِاِلْفِكَ عُصْبَةٌ مِّنْكُمْ لَا تَحْسَبُوْهُ شَرًّا لَّكُمْ بَلْ هُوَ

जूठ लाये हैं वो तुम ही में से अक जमाअत है. तुम उस को अपने डक में भुरा मत समजो. बल्के वो

خَيْرٌ لَّكُمْ لِكُلِّ اٰمْرِىٍّ مِّنْهُمْ مَّا اٰكْتَسَبَ مِنَ الْاِثْمِ ۝

तुम्हारे लिये बेहतर है. उन में से हर शम्स के लिये वो गुनाह है जो उस ने कमाया.

وَالَّذِيْ تَوَلّٰى كِبْرًا مِّنْهُمْ لَهٗ عَذَابٌ عَظِيْمٌ ۝

और उन में से जो उस जूठ के बडे छिसे का जिम्मेदार है उस के लिये भारी अजाब है.

لَوْ اَنَّ اِذْ سَمِعْتُمْوُهٗ ظَنَّ الْمُؤْمِنُوْنَ وَالْمُؤْمِنٰتُ بِاَنْفُسِهِنَّ

जब तुम ने उस को सुना तो धिमान वाले मरदों और धिमान वाली औरतों ने अपने आप के मुत्तअल्लिक अरख

حٰیْرًا ۝ وَقَالُوْا هٰذَا اِفْكٌ مُّبِيْنٌ ۝ لَوْ اَنَّ جَاءُوْ

गुमान क्यूँ नहीं किया? और यूँ क्यूँ नहीं कडा के ये तो साफ़ जूठ है? वो उस पर

عَلَيْهِ بِاَرْبَعَةٍ شَهِدَآءَ ۝ فَاِذْ لَمْ يَأْتُوْا بِالشُّهَدَآءِ

चार गवाह क्यूँ न लाये? फिर जब वो गवाह नहीं लाये

فَاُولٰٓئِكَ عِنْدَ اللّٰهِ هُمُ الْكٰذِبُوْنَ ۝ وَلَوْ اَنَّ اللّٰهَ

तो यही लोग अल्लाह के नजदीक जूठे हैं. और अगर तुम पर अल्लाह का इजल

عَلَيْكُمْ وَرَحْمَتُهُ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ لَمَسَّكُمْ فِيْ مَا

और उस की मेहरबानी न होती दुन्या और आभिरत में तो तुम्हें उस की वजल से जिंस

أَفْضَتْمْ فِيهِ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱۱﴾ إِذْ تَلَقَّوْنَهُ بِالسِّنْتِكُمْ

में तुम लगे रहे (भारी) अज्ञात पड़ोयता. जब के तुम अपनी जगानों से नकल करते थे

و تَقُولُونَ بِأَفْوَاهِكُمْ مَا لَيْسَ لَكُمْ بِهِ عِلْمٌ وَ تَحْسَبُونَهُ

और तुम अपने मुँड से ऐसी बात केडते थे जिस की तुम्हारे पास कोई दलील नहीं और तुम उसे उडका

هَيِّنًا ۖ وَهُوَ عِنْدَ اللَّهِ عَظِيمٌ ﴿۱۲﴾ وَلَوْ لَا إِذْ سَمِعْتُمُوهُ

समजते थे. डालांके वो अडलाड के नजदीक बडोत (भारी) है. और जब तुम ने उस को सुना तो तुम ने यूं

قُلْتُمْ مَا يَكُونُ لَنَا أَنْ نَتَكَلَّمَ بِهَذَا ۖ سُبْحَانَكَ هَذَا

कयूं नहीं कडा के डमारे लिये मुनासिब नहीं के डम ये बात जगान पर लाअे. अे अडलाड! तू पाक है, ये

بُهْتَانٌ عَظِيمٌ ﴿۱۳﴾ يَعِظُكُمُ اللَّهُ أَنْ تَعُودُوا لِمِثْلِهِ أَبَدًا

तो (भारी) भोडतान है. अडलाड तुम्हें उस की नसीडत करता है के तुम दोबारा ऐसी डरकत न करना कभी (भी)

إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۱۴﴾ وَيُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمُ الْآيَاتِ وَاللَّهُ

अगर तुम ईमान वाले डो. और अडलाड तुम्हारे लिये साइ साइ आयतेभयान करता है. और अडलाड ईडम वाला,

عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿۱۵﴾ إِنَّ الَّذِينَ يُحِبُّونَ أَنْ تَشِيعَ الْفَاحِشَةُ

डिकमत वाला है. यकीनन वो लोग जो ये याडतें हैं के ईमान वालों में

فِي الَّذِينَ آمَنُوا لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۖ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ

भेडयाई डेले, उन के लिये दुनया और आभिरत में दईनाक अज्ञात है.

وَاللَّهُ يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿۱۶﴾ وَلَوْلَا فَضْلُ اللَّهِ

और अडलाड जानता है और तुम जानते नहीं डो. और अगर अडलाड का इजल

عَلَيْكُمْ وَرَحْمَتُهُ وَأَنَّ اللَّهَ رَءُوفٌ رَحِيمٌ ﴿۱۷﴾ يَا أَيُّهَا

और उस की मेडरबानी तुम पर न डोती (तो) अज्ञात आता) और ये के अडलाड निडायत शइकत वाला,

الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۗ وَمَنْ يَتَّبِعْ

रडमत वाला है. अे ईमान वालो! तुम शयतान के कडम ड कडम मत यलो. और जो शयतान

خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ فَإِنَّهُ يَأْمُرُ بِالْفَحْشَاءِ وَالْمُنْكَرِ ۗ

के कडम ड कडम यलेगा तो यकीनन शयतान भेडयाई और डुरी बातों का डुकम देता है. और

وَلَوْلَا فَضْلُ اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَتُهُ مَا زَكَا مِنْكُمْ مِّنْ

अगर अडलाड का इजल और उस की मेडरबानी तुम पर न डोती तो तुम में से कोई कभी (भी) पाक न डोता

أَحَدٍ أَبَدًا ۚ وَلَكِنَّ اللَّهَ يُزَكِّي مَن يَشَاءُ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ

(तौभा करके), लेकिन अल्लाह पाक बना देता है जिसे चाहता है (तौभा कबूल करके). और अल्लाह सुनने वाला,

عَلِيمٌ ﴿۱۱﴾ وَلَا يَأْتِلُ أَوْلُوا الْفَضْلِ مِنْكُمْ وَالسَّعَةِ

ईल्म वाला है. और तुम में से बुजुर्गी वाले और वृश्मत वाले ईस की कसम ना पाओ

أَنَّ يُؤْتُوا أَوْلِيَ الْقُرْبَىٰ وَالْيَسَارَىٰ وَالْمُهَاجِرِينَ

के वो माल नहीं देंगे रिश्तेदारों को और मिसकीनों को और अल्लाह के रास्ते में छिजरत

فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ وَلْيَعْفُوا وَلْيَصْفَحُوا ۗ أَلَا تُحِبُّونَ أَنْ يَغْفِرَ

करने वालों को. बल्के उन्हें चाडिये के वो माफ़ करें और दरगुजर करें. क्या तुम पसन्द नहीं करते के अल्लाह

اللَّهُ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۲﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَرْمُونَ

तुम्हारी मगाफ़िरत कर दे. और अल्लाह बफ़शने वाला, निडायत रहम वाला है. यकीनन वो लोग जो तोडमत

الْمُحْصَنَاتِ الْغُفْلَاتِ الْمُؤْمِنَاتِ لَعُنُوا فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ

लगाते हैं पाकदामन बेभबर ईमान वाली औरतों पर, उन पर लानत है दुन्या और आभिरत में.

وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱۳﴾ يَوْمَ تَشْهَدُ عَلَيْهِمْ أَلْسِنَتُهُمْ

और उन के लिये त्तारी अजाब है. उस दिन जिस दिन उन के भिलाफ़ गवाही देंगी उन की जभानें

وَ أَيْدِيهِمْ وَ أَرْجُلُهُمْ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۴﴾ يَوْمَئِذٍ

और उन के हाथ और उन के पैर उन आमाल की जो वो करते थे. जिस दिन

يُوقَفِيهِمُ اللَّهُ دِينَهُمُ الْحَقَّ وَ يَعْلَمُونَ أَنَّ اللَّهَ هُوَ

अल्लाह उन्हें ईन्साफ़ के तकाजे के मुताबिक पूरी सजा देगा और वो जान लेंगे के अल्लाह

الْحَقُّ الْمُبِينُ ﴿۱۵﴾ الْحَبِيثَاتُ لِلْحَبِيثِينَ وَالْحَبِيثُونَ

भरडक है, साफ़ साफ़ बयान करने वाला है. भुरी औरतें भुरे मरदों के लिये हैं और भुरे मरद भुरी औरतों

لِلْحَبِيثَاتِ ۗ وَالطَّيِّبَاتُ لِلطَّيِّبِينَ وَالطَّيِّبُونَ لِلطَّيِّبَاتِ ۗ

के लिये हैं. और अच्छी औरतें अच्छे मरदों के लिये हैं और अच्छे मरद अच्छी औरतों के लिये हैं.

أُولَٰئِكَ مُبَرَّءُونَ مِمَّا يَقُولُونَ ۗ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ وَرِزْقٌ

ये लोग भरी हैं उन बातों से जो वो केड रहे हैं. उन के लिये मगाफ़िरत है और ईज्जत वाली

كَرِيمٌ ﴿۱۶﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَدْخُلُوا بُيُوتًا غَيْرَ

रोजी है. ओ ईमान वालो! तुम अपने घरों के अलावा घरों में दाभिल

بُيُوتِكُمْ حَتَّى تَسْتَأْنِسُوا وَ تَسْلَمُوا عَلَىٰ أَهْلِهَا ۗ ذٰلِكُمْ

मत हो जब तक के तुम ँजात न ले लो और वहां वालों को सलाम न कर लो. ये

خَيْرٌ لَّكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ ﴿۱۵﴾ فَإِنْ لَّمْ تَجِدُوا فِيهَا

तुम्हारे लिये बेहतर है ताके तुम नसीहत ढासिल करो. फिर अगर तुम उन घरों में किसी को

أَحَدًا فَلَا تَدْخُلُوهَا حَتَّىٰ يُؤْذَنَ لَكُمْ ۗ وَإِنْ قِيلَ

न पाओ तो उस में ढाभिल मत हो यहां तक के तुम्हें ँजात ढी जाओ. और अगर तुम से कडा जाओ

لَكُمْ أَرْجِعُوا فَأَرْجِعُوا هُوَ أَزْكَىٰ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ

के तुम वापस लौट जाओ तो तुम वापस लौट जाओ, ये तुम्हारे लिये जयाढा पाकीजगी वाला है. और

بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ ﴿۱۶﴾ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ تَدْخُلُوا

अल्लाह तुम्हारे आमाल जानते हैं. तुम पर कोई गुनाह नही ँस में के तुम ढाभिल हो

بُيُوتًا غَيْرَ مَسْكُونَةٍ فِيهَا مَتَاعٌ لَّكُمْ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ

ऐसे घरों में जिस में रिढाँश न हो, जिस में तुम्हारा सामान हो. और अल्लाह जानता है

مَا تُبْدُونَ وَمَا تَكْتُمُونَ ﴿۱۷﴾ قُلْ لِلْمُؤْمِنِينَ يَغُضُّوا

उन बातों को जो तुम ञाहिर करते हो और जो तुम छुपाते हो. आप इरमा ढीजिये ँमान वालों को के वो

مِنْ أَبْصَارِهِمْ وَ يَحْفَظُوا فُرُوجَهُمْ ۗ ذٰلِكَ أَزْكَىٰ

अपनी निगाहें पस्त रभें और अपनी शर्मगाहों की ढिङ्गात करें. ये उन के लिये

لَهُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ خَبِيرٌ بِمَا يَصْنَعُونَ ﴿۱۸﴾ وَقُلْ لِلْمُؤْمِنَاتِ

पाकीजगी वाला है. यकीनन अल्लाह ढाभनर है उन कामों से जो वो कर रहे हैं. और आप ँमान वाली

يَغُضُّنَّ مِنْ أَبْصَارِهِنَّ وَ يَحْفَظْنَ فُرُوجَهُنَّ

औरतों से केह ढीजिये के वो अपनी निगाहें पस्त रभें और अपनी शर्मगाहों की ढिङ्गात करें

وَلَا يُبْدِينَ زِينَتَهُنَّ إِلَّا مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَلْيَضْرِبْنَ

और अपनी जिनत ञाहिर न करें मगर वो जो उस में से ञाहिर हो जाती हो, और उन्हें याढिये के अपनी

بِخُمْرِهِنَّ عَلَىٰ جُيُوبِهِنَّ ۗ وَلَا يُبْدِينَ زِينَتَهُنَّ

ओण्डनियों के आंयल अपने गिरेढान पर ढाल लिया करें, और अपनी जिनत ञाहिर न करें

إِلَّا لِبُعُولَتِهِنَّ أَوْ آبَائِهِنَّ أَوْ آبَاءِ بُعُولَتِهِنَّ أَوْ

मगर अपने शौढरों के सामने या अपने ढाप ढाढा के सामने या अपने शौढरों के ढापढाढा के सामने या



أَبْنَائِهِنَّ أَوْ أَبْنَاءَ بُعُولَتِهِنَّ أَوْ إِخْوَانِهِنَّ أَوْ بَنِي

अपने बेटों के सामने या अपने शौहरों के बेटों के सामने या अपने ભાઈયों के सामने या अपने ભાઈयों

إِخْوَانِهِنَّ أَوْ بَنِي أَخَوَاتِهِنَّ أَوْ نِسَائِهِنَّ

के बेटों के सामने या अपनी भेडनों के बेटों के सामने या अपनी औरतों के सामने

أَوْ مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُهُنَّ أَوِ التَّابِعِينَ غَيْرِ أُولِي الْإِرْبَةِ

या अपनी मम्लूका भान्दियों के सामने या उन भान्दियों के सामने जो डायत वाले

مِنَ الرِّجَالِ أَوْ الطِّفْلِ الَّذِينَ لَمْ يَظْهَرُوا عَلَى عَوْرَتِ

नहीं हैं, (ये इंडरिस्त भालिग) मरदों में से (हैं), या उन भय्यों में से जो अब तक औरतों की छुपी हुई

النِّسَاءِ ۖ وَلَا يَضْرِبْنَ بِأَرْجُلِهِنَّ لِيُعْلَمَ مَا يُخْفِينَ

शीर्षों पर मुत्तलिय नहीं हुवे. और उन औरतों को खालिये के वो अपने पैर ओर से न मारे ताके मालूम हो जाये

مَنْ زَيْنَتِهِنَّ ۖ وَتُوبُوا إِلَى اللَّهِ جَمِيعًا أَيُّهُ الْمُؤْمِنُونَ

उन की वो जिनत जिसे वो छुपा रही हैं. और सब अल्लाह की तरफ तौबा करो, अे ईमान वालो!

لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿۱۸﴾ وَأَنْكِحُوا الْأَيَامَىٰ مِنْكُمْ وَالصَّالِحِينَ

ताके तुम इलाह पाओ. और अपने में से बेनिकाहों का निकाह करा दो और तुम्हारे गुलाम

مِنْ عِبَادِكُمْ وَإِمَائِكُمْ ۚ إِنَّ يَكُونُوا فُقَرَاءَ يُغْنِيهِمْ

और तुम्हारी भान्दियों में से जो नेक हों उन का निकाह करा दो. अगर वो इकीर हैं तो अल्लाह

اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۹﴾ وَلْيَسْتَعْفِفِ

उन्हे अपने इजल से गनी कर देगा. और अल्लाह वुस्मत वाले, ईल्म वाले हैं. और खालिये के पाकदामन

الَّذِينَ لَا يَجِدُونَ نِكَاحًا حَتَّىٰ يُغْنِيَهُمُ اللَّهُ

रहें वो जो निकाह की कुदरत नहीं पाते यहाँ तक के अल्लाह उन्हे अपने इजल से

مِنْ فَضْلِهِ ۗ وَالَّذِينَ يَبْتِغُونَ الْكِتَابَ مِمَّا مَلَكَتْ

गनी कर दे. और जो मुकातब बनना चाहते हैं तुम्हारे गुलाम भान्दियों

أَيْمَانِكُمْ فَكَاتِبُوهُمْ ۖ إِنْ عَلِمْتُمْ فِيهِمْ خَيْرًا ۗ وَآتُوهُمْ

में से तो उन्हे मुकातब बना लो अगर तुम उन में भलाई जानो. और उन को दो

مِّن مَّالِ اللَّهِ الَّذِي آتَاكُمْ ۗ وَلَا تَكْرِهُوا فَتِيَّتِكُمْ

अल्लाह के उस माल में से जो अल्लाह ने तुम्हें दिया है. और तुम अपनी भान्दियों को जिना पर

عَلَى الْبِغَاءِ إِنْ أَرَدْنَا تَحْصِنًا لَتَتَّبِعُنَا عَرْضَ الْحَيَاةِ

मजबूर मत करो ताके तुम हुन्यवी जिन्दगी का सामान तलाश करो अगर वो पाक दामन रेडना याहे.

الدُّنْيَا وَمَنْ يُكْرِهَنَّ فَإِنَّ اللَّهَ مِنْ بَعْدِ إِكْرَاهِنَّ

और जो उन को मजबूर करेगा तो यकीनन अल्लाह उन के मजबूर किये जाने के बाद

عَفْوَرٍ سَرَّحِيمٌ ۝ وَلَقَدْ أَنْزَلْنَا إِلَيْكُمْ آيَاتٍ مُبَيِّنَاتٍ

बप्शने वाला, निहायत रहम वाला है. यकीनन हम ने तुम्हारी तरफ़ साफ़ साफ़ आयतें उतारी हैं

وَمَثَلًا مِّنَ الَّذِينَ خَلَوْا مِن قَبْلِكُمْ وَمَوْعِظَةً

और उन लोगों की मिसाल उतारी है जो तुम से पेडले गुजर चुके और मुत्तकियों के लिये नसीहत

لِّلْمُتَّقِينَ ۝ اللَّهُ نُورُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ مَثَلُ

उतारी है. अल्लाह आस्मानों और जमीन का नूर है. उस के नूर

نُورِهِ كَمِثْلِ شَوْكَةٍ فِيهَا مِصْبَاحٌ ۖ الْمِصْبَاحُ فِي زُجَاجَةٍ

की मिसाल ऐसी है जैसा के अक ताक्या जिस में यिराग छे. यिराग अक शीशे में छे.

الزُّجَاجَةُ كَأَنَّهَا كَوْكَبٌ دُرِّيٌّ يُوقَدُ مِن شَجَرَةٍ مُّبَارَكَةٍ

शीशा ऐसा जैसा के यमकता हुवा सितारा, उसे धंधन दिया जाता है बाबरकत जैतून के

زَيْتُونَةٍ ۖ لَا شَرْقِيَّةٍ وَلَا غَرْبِيَّةٍ ۖ يَكَادُ زَيْتُهَا يُضِيءُ

दरफ्त से जो न मशरिकी है और न मगरिबी. उस का तेल करीब है के रोशनी दे दे

وَلَوْ لَمْ تَمْسَسْهُ نَارٌ نُّورٌ عَلَى نُورٍ ۗ يَهْدِي اللَّهُ لِنُورِهِ مَن

अगरये उसे आग न छुछे छे. नूर के उपर नूर. अल्लाह अपने नूर की तरफ़ रहनुमाई देता है जिसे

يَشَاءُ ۗ وَ يُضْرِبُ اللَّهُ الْآمِثَالَ لِلنَّاسِ ۖ وَاللَّهُ بِكُلِّ

याडता है. और अल्लाह ध-सानों के लिये मिसालें बयान करते हैं. और अल्लाह हर चीज को

شَيْءٍ عَلِيمٌ ۝ فِي بُيُوتٍ أُذِنَ اللَّهُ أَنْ تَرْفَعَ وَ يُذَكَّرَ

भूब जानने वाले हैं. उन घरों में जिन के भुलन्द किये जाने का अल्लाह ने हुकम दिया और जिस में अल्लाह

فِيهَا اسْمُهُ ۖ يُسَبِّحُ لَهُ فِيهَا بِالْغُدُوِّ وَالْآصَالِ ۝

का नाम लिये जाने का अल्लाह ने हुकम दिया. उन घरों में सुबुड व शाम उस की तस्बीह पण्डते हैं

رِجَالٌ ۖ لَا تُلْهِهِمْ تِجَارَةٌ وَلَا بَيْعٌ عَن ذِكْرِ اللَّهِ وَ

ऐसे मर्द जिन को न तिजारत गाकिल करती है अल्लाह की याद से, न ખरीद व इरोफ्त,

اقَامِ الصَّلَاةَ وَآتِ الزَّكَاةَ ۖ يَخَافُونَ يَوْمًا تَتَقَلَّبُ

न नमाज के काईम करने से और न जकात देने से गाड़िल करती है. वो डरते हैं ऐसे दिन से जिस में

فِيهِ الْقُلُوبُ وَالْأَبْصَارُ ۗ لِيَجْزِيََهُمُ اللَّهُ أَحْسَنَ

दिल और निगाहें उलट पलट हो जायेंगी. ताके अल्लाह उन को बदला दे उन अच्छे कामों का जो

مَا عَمِلُوا وَ يَزِيدَهُم مِّن فَضْلِهِ ۗ وَاللَّهُ يَرْزُقُ مَنْ

उन्हों ने किये और अपने इजल से उन को मज्दीद दे. और अल्लाह बेहिसाब रोजी

يَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۗ وَالَّذِينَ كَفَرُوا أَعْمَالُهُمْ

देता है जिसे यादता है. और वो लोग जो काफिर हैं उन के आमाज

كَسْرَابٍ بِقِيَعَةٍ يَحْسَبُهُ الظَّالِمُ مَاءً ۖ حَتَّىٰ إِذَا جَاءَهُ

ऐसे है जैसा के रेगिस्तान की सराब, जिसे प्यासा पानी समजता है. यहां तक के जब वो उस के पास आता है

لَمْ يَجِدْهُ شَيْئًا وَوَجَدَ اللَّهَ عِنْدَهُ فَوَقَّهٖ حِسَابَهُ ۗ

तो उसे कुछ भी नहीं पाता और अल्लाह को उस के पास पाओगा, फिर अल्लाह उसे उस का हिसाब पूरा पूरा देगा.

وَاللَّهُ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۗ أَوْ كَظُلْمِتٍ فِي بَحْرٍ لَّجِّيٍّ

और अल्लाह जल्द हिसाब लेने वाला है. या (काफिरों के आमाज का डाल ऐसा है) जैसा के गेडरे समन्दर की तारीकियां

يَعْعُشُهُ مَوْجٌ مِّن فَوْقِهِ مَوْجٌ مِّن فَوْقِهِ سَحَابٌ ۗ

जिन को मौज ढांपे हुवे है, उस के उपर भी मौज, उस मौज के उपर बादल.

ظَلِمَتْ بَعْضَهَا فَوْقَ بَعْضٍ ۖ إِذَا أَخْرَجَ يَدَهُ

कई तारीकियां उन में से अक दूसरे के उपर. जब वो अपना हाथ निकालता है

لَمْ يَكِدْ يَرِبْهَا ۗ وَمَنْ لَّمْ يَجْعَلِ اللَّهُ لَهُ نُورًا فَمَا لَهُ

तो करीब भी नहीं है के उस को देभ सके. और जिस के लिये अल्लाह ने नूर नहीं बनाया उस के लिये कोई

مِن نُّورٍ ۗ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يُسَبِّحُ لَهُ مَن فِي السَّمٰوٰتِ

नूर नहीं. क्या आप ने देभा नहीं के अल्लाह की तस्बीह करते हैं वो सब ही जो आस्मानों में हैं

وَالْأَرْضِ وَالطَّيْرِ طَبَقَتْ كُلُّ قَدِّ عِلْمٍ صَلَاتَهُ

और जमीन में हैं और परिन्दे भी सड़ बांध कर. हर अक ने अपनी नमाज और अपनी तस्बीह को मादूम

وَتَسْبِيحَهُ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِمَا يَفْعَلُونَ ۗ وَبِاللَّهِ مُلْكٌ

कर रभा है. और अल्लाह भूष जानता है वो काम जो वो कर रहे हैं. और अल्लाह के लिये आस्मानों

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ وَإِلَى اللَّهِ الْمَصِيرُ ﴿۳۲﴾ أَلَمْ تَرَ

और जमीन की सल्तनत है. और अल्लाह ही की तरफ लौटना है. क्या आप ने देखा नहीं

أَنَّ اللَّهَ يُرْجِي سَحَابًا ثُمَّ يُؤَلِّفُ بَيْنَهُ ثُمَّ يَجْعَلُهُ

के अल्लाह बादलों को खलाते हैं, फिर उन को जोड़ते हैं, फिर उसे तेज भतेज

رُكَّامًا فَتَرَى الْوَدْقَ يَخْرُجُ مِنْ خِلَالِهِ ۚ وَيُنَزِّلُ

करते हैं? फिर तू देखेगा बारिश को के उस के दरमियान से निकलती है. और वो

مِنَ السَّمَاءِ مِنْ جِبَالٍ فِيهَا مِنْ بَرَدٍ فَيُصِيبُ بِهِ

आस्मान से पहाड़ों को उतारता है जिन में ओला होता है, फिर उसे पड़ोयाता है

مَنْ يَشَاءُ وَيَصْرِفُهُ عَنْ مَنْ يَشَاءُ ۗ يَكَادُ سَنَا بَرْقِهِ

जिसे याहता है और उटाता है उस को जिस से याहता है. करीब है के उस की बिजली की यमक

يَذْهَبُ بِالْأَبْصَارِ ﴿۳۳﴾ يُقَلِّبُ اللَّهُ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ ۗ

भीनाई को भी सल्म कर ले. अल्लाह रात और दिन को पलटते हैं.

إِنَّ فِي ذَلِكَ لَعِبْرَةً لِّأُولِي الْأَبْصَارِ ﴿۳۴﴾ وَاللَّهُ

यकीनन उस में बसीरत वालों के लिये ईब्रत है. और अल्लाह ने

خَلَقَ كُلَّ دَابَّةٍ مِنْ مَّاءٍ ۚ فَمِنْهُمْ مَنْ يَمْشِي

उर खलने वाले जानवर को पैदा किया पानी से. फिर उन में से कुछ खलते हैं

عَلَىٰ بَطْنَيْهِ ۚ وَمِنْهُمْ مَنْ يَمْشِي عَلَىٰ رِجْلَيْنِ ۚ وَمِنْهُمْ

अपने पेट के बल. और उन में से कुछ खलते हैं ढो पैरों पर. और उन में से कुछ

مَنْ يَمْشِي عَلَىٰ أَرْبَعٍ ۗ يَخْلُقُ اللَّهُ مَا يَشَاءُ ۗ إِنَّ اللَّهَ

खलते हैं चार पैरों पर. अल्लाह पैदा करता है जिसे याहता है. यकीनन अल्लाह

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۳۵﴾ لَقَدْ أَنْزَلْنَا آيَاتٍ مُّبِينَاتٍ ۗ

उर खीज पर कुदरत वाला है. यकीनन उम ने साइ साइ आयतें उतारी हैं.

وَاللَّهُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَىٰ صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۳۶﴾

और अल्लाह छिदायत देता है जिसे याहता है सीधे रास्ते की तरफ.

وَيَقُولُونَ آمَنَّا بِاللَّهِ وَبِالرَّسُولِ وَأَطَعْنَا ثُمَّ يَتَوَلَّىٰ

और ये लोग कुदते हैं के उम ईमान लाअे अल्लाह पर और रसूल पर और उम ने ईताअत की, फिर उन में

فَرِيقٌ مِّنْهُمْ مِّنْ بَعْدِ ذَلِكَ ۖ وَمَا أُولَٰئِكَ بِالْمُؤْمِنِينَ ﴿۴۶﴾

سے ایک جماعت اس کے باہر کرتی ہے۔ اور یہ مومین نہیں ہیں۔

وَإِذَا دُعُوا إِلَى اللَّهِ وَرَسُولِهِ لِيَحْكُمَ بَيْنَهُمْ

اور جب انہیں اللہ اور اس کے رسول کی طرف بلایا جاتا ہے تاکہ وہ ان کے درمیان کیس لایا کرے

إِذَا فَرِيقٌ مِّنْهُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿۴۷﴾ وَإِنْ يَكُنْ لَهُمُ الْحَقُّ

تو اچانک ان میں سے ایک جماعت ہٹا کر رہتی ہے۔ اور اگر ان کا حق ہو

يَأْتُوا إِلَيْهِ مُدْعِينَ ﴿۴۸﴾ أُولَٰئِكَ قُلُوبُهُمْ مَّرْضَةٌ

تو وہ اس کی طرف تڑپتے ہوئے آئیں گے۔ کچھ ان کے دلوں میں مرنے

أَمْ أَرَأَيْتُمْ إِنْ يَخَافُونَ أَنْ يَحْيِفَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ وَرَسُولَهُ

یا وہ شک کرتے ہیں یا وہ ڈرتے ہیں اس سے کہ اللہ اور اس کے رسول ان پر ظلم کریں گے؟

بَلْ أُولَٰئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿۴۹﴾ إِنَّمَا كَانَ قَوْلَ الْمُؤْمِنِينَ

بلکہ یہی لوگ ظالم ہیں۔ ایمان والوں کا تو کہنا یہ ہوتا ہے جب انہیں

إِذَا دُعُوا إِلَى اللَّهِ وَرَسُولِهِ لِيَحْكُمَ بَيْنَهُمْ

اللہ اور اس کے رسول کی طرف بلایا جائے تاکہ وہ ان کے درمیان کیس لایا کرے کہ وہ ان کے

أَنْ يَقُولُوا سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا ۗ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۵۰﴾

کہ ہم نے سنا لیا اور پوری سے مان لیا۔ اور یہی لوگ نجات پانے والے ہیں۔

وَمَنْ يُطِيعِ اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَيُخَشِ اللَّهَ وَيَتَّقْهُ فَأُولَٰئِكَ

اور جو اللہ اور اس کے رسول کی بات پوری سے مانے اور اللہ سے ڈرے اور تکرار ہٹتے

هُمُ الْفَائِزُونَ ﴿۵۱﴾ وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ جَهْدَ أَيْمَانِهِمْ

کریں گے تو یہی لوگ کامیاب ہوں گے۔ اور یہ اللہ کی قسموں سے اپنی قسموں کو مضبوط کر کے

لِيَنْ أَمْرَتِهِمْ لِيَخْرُجْنَ ۖ قُلْ لَا تُقْسِمُوا طَاعَةَ

کہ اگر آپ ان کو نکلے تو نکلے گا۔ آپ فرما دیجیے کہ تمہاری قسموں سے مت ڈرو۔

مَعْرُوفَةً ۚ إِنَّ اللَّهَ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿۵۲﴾ قُلْ

تو سچی بات جانی پہچانی ہے۔ یہی اللہ اللہ سے اللہ سے پتہ چلتا ہے۔ آپ فرما دیجیے

أَطِيعُوا اللَّهَ وَاطِيعُوا الرَّسُولَ ۚ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّمَا

کہ تم اللہ کی بات مانو اور رسول کی بات مانو۔ اگر وہ ہٹ کر رہے تو اس کے پیچھے

عَلَيْهِ مَا حِجَلٌ وَ عَلَيْكُمْ مَا حُبِلْتُمْ ۖ وَإِنْ تَطِيعُوهُ

वही है जो उस पर ओज रभा गया है और तुम पर वो है जिस का तुम्हें मुकद्लक बनाया गया है. और अगर तुम

تَهْتَدُوا ۖ وَمَا عَلَى الرَّسُولِ إِلَّا الْبَلْغُ الْمُبِينُ ﴿۵۷﴾

उस की धनामत करोगे तो राह पा जाओगे. और रसूल के जिम्मे सिवाये साफ़ साफ़ पडोया देने के कुछ भी नहीं.

وَعَدَ اللَّهُ الَّذِينَ آمَنُوا مِنْكُمْ وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

अल्लाह ने वादा किया है उन लोगों से जो तुम में से धिमान लाये और नेक अमल किये

لَيَسْتَخْلِفَنَّهُمْ فِي الْأَرْضِ كَمَا اسْتَخْلَفَ الَّذِينَ

के ज़र अल्लाह उन्हें जमीन में पलीक़ा बनाओगा जैसा के उन से पेडले वालों को पलीक़ा

مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ وَلَيُمَكِّنَنَّ لَهُمْ دِينَهُمُ الَّذِي ارْتَضَى لَهُمْ

बनाया. और ज़र उन के लिये उन का धीन मजभूत कर देगा जो उन के लिये अल्लाह ने पसन्द किया है

وَلَيُبَدِّلَنَّهُمْ مِّنْ بَعْدِ خَوْفِهِمْ أَمْنًا ۚ يَعْبُدُونَنِي

और उन के भौक़ के बाद उन्हें अमन बदले में देगा. धिस लिये के वो मेरी धिबादत करते हैं

لَا يُشْرِكُونَ بِي شَيْئًا ۚ وَمَنْ كَفَرَ بَعْدَ ذَلِكَ فَأُولَٰئِكَ

और मेरे साथ कोध थीज शरीक नहीं ठेडराते. और जो उस के बाद कुक़ करेगा तो यही

هُمُ الْفَاسِقُونَ ﴿۵۸﴾ وَ أَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَ آتُوا الزَّكَاةَ

लोग नाइरमान हैं. और तुम नमाज काधिम करो और जक़ात दो

وَ أَطِيعُوا الرَّسُولَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ ﴿۵۹﴾ لَا تَحْسَبَنَّ

और रसूल का केडना मानो ताके तुम पर रडम किया जाये. तू मत समज काकिरों को

الَّذِينَ كَفَرُوا مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ ۚ وَمَا لَهُمُ النَّارُ

के जमीन में (भाग कर) अल्लाह को आजिज कर देंगे. और उन का ठिकाना जडनम है.

وَلَبِئْسَ الْمَصِيرُ ﴿۶۰﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لِيَسْتَأْذِنَكُمْ

और वो भुरी जगा है. ये धिमान वालो! याडिये के तुम से (दाभिल डोते वकत) धिजाजत तलभ करें

الَّذِينَ مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ وَالَّذِينَ لَمْ يَبْلُغُوا الْحُلُمَ مِنْكُمْ

तुम्हारे मम्लूक (गुलाम भान्धियां) और वो भरये जो तुम में से भुलूग की उम्र को नहीं पडोये

ثَلَاثَ مَرَّاتٍ ۖ مِنْ قَبْلِ صَلَاةِ الْفَجْرِ وَحِينَ تَضَعُونَ

तीन मरतभा (धिजाजत तलभ करें). इजर की नमाज से पेडले और जिस वकत तुम अपने

ثِيَابِكُمْ مِنَ الظَّهِيرَةِ وَمِنْ بَعْدِ صَلَاةِ الْعِشَاءِ ۗ ثَلَاثُ

کپڑے اُتارنے کے لیے دوپہر کے وقت اور عشا کی نماز کے بعد۔ یہ تین تুমہارے

عَوْرَاتٍ لَّكُمْ لَيْسَ عَلَيْكُمْ وَلَا عَلَيْهِمْ جُنَاحٌ ۙ بَعْدَهُنَّ ۗ

ساتر کے اُٹکاوت ہیں۔ توم پر اور ان پر ان تین اُٹکاوت کے بعد کوئی گوناہ نہیں ہے۔

طَوْفُونَ عَلَيْكُمْ بَعْضُكُمْ عَلَىٰ بَعْضٍ ۗ كَذَلِكَ

اِس لیے کے وہ تومہارے پاس بار بار آنے جانے والے ہیں، توم میں سے اک دوسرے کے پاس۔ اِسی تراد

يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمُ الْآيَاتِ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿۵۱﴾

تومہارے لیے اِلاہ اُتارے کو ساک ساک بیان کرتے ہیں۔ اور اِلاہ اِلم والے، اِکمت والے ہیں۔

وَإِذَا بَلَغَ الْأَطْفَالُ مِنْكُمُ الْحُلُمَ فَلْيَسْتَأْذِنُوا

اور جب توم میں سے اِرخے بولگ کی اِمر کو پڑھے جائے، تو انہیں اِی اِلیے کے اِجاوت لیں

كَمَا اسْتَأْذَنَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۗ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ

جیس تراد کے وہ اِجاوت لیتے تھے ان سے پہلے تھے۔ اِسی تراد اِلاہ تومہارے لیے

اللَّهُ لَكُمْ آيَاتِهِ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿۵۲﴾ وَالْقَوَاعِدُ

اِپنی اِیے ساک ساک بیان کرتے ہیں۔ اور اِلاہ اِلم والے، اِکمت والے ہیں۔ اور اورتوں میں سے

مِنَ النِّسَاءِ الَّتِي لَا يَرْجُونَ نِكَاحًا فَلَيْسَ عَلَيْهِنَّ

وہ بے اِلی اِورتوں کو نکاح کی اِمید نہیں رہتی تو ان پر کوئی گوناہ

جُنَاحٌ اَنْ يَّضَعْنَ ثِيَابَهُنَّ غَيْرَ مُتَبَرِّجَاتٍ بِزِينَةٍ ۗ

نہیں ہے کے وہ اِپنے کپڑے اُتارے اِس اِلال میں کے وہ اِینت کو اِلیر کرنے والی نہ اِیں۔

وَاَنْ يَّسْتَعْفِفْنَ خَيْرٌ لَّهِنَّ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۵۳﴾

اور یہ کے وہ پاکدامن بن کر رہے تھے ان کے لیے اِبتدر ہے۔ اور اِلاہ سوننے والے، اِلم والے ہیں۔

لَيْسَ عَلَى الْاَعْمَىٰ حَرْجٌ وَلَا عَلَى الْاَعْرَجِ حَرْجٌ

اِنہے پر کوئی اِرج نہیں اور لنگڑے پر کوئی اِرج نہیں

وَلَا عَلَى الْمَرِيضِ حَرْجٌ وَلَا عَلَىٰ اَنْفُسِكُمْ

اور اِمار پر کوئی اِرج نہیں اور تومہارے اِپنے اِپر کوئی اِرج نہیں اِس میں

اَنْ تَاْكُلُوْا مِنْ اَبْيُوْتِكُمْ اَوْ اَبْيُوْتِ اَبَائِكُمْ اَوْ اَبْيُوْتِ

کے توم اِا اِپنے اِروں سے یا اِپنے اِاپ اِااؤں کے اِروں سے یا اِپنی اِاؤں کے

أَمْهَتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ إِخْوَانِكُمْ أَوْ بُيُوتِ أَخَوَاتِكُمْ

घरों से या अपने भाईयों के घरों से या अपनी बेटियों के घरों से

أَوْ بُيُوتِ أَعْمَامِكُمْ أَوْ بُيُوتِ عَمَّاتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ

या अपने थयाओं के घरों से या अपनी झुझियों के घरों से या अपने मामुओं के

أَخْوَالِكُمْ أَوْ بُيُوتِ خَالَاتِكُمْ أَوْ مَا مَلَكَتْهُنَّ مَفَاتِحَهُ

घरों से या अपनी भालाओं के घरों से या उन घरों से जिन की कुंजियों के तुम मालिक हो

أَوْ صَدِيقِكُمْ ۖ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ تَأْكُلُوا

या अपने दोस्तों के घरों से. तुम पर कोई गुनाह नहीं है इस में के तुम खाओ

بِمَعِينَةٍ أَوْ أَشْتَاتٍ ۖ فَإِذَا دَخَلْتُمْ بُيُوتًا فَاسْلَمُوا

छकटे या अलग अलग. फिर जब तुम घरों में दाखिल हो तो तुम

عَلَىٰ أَنْفُسِكُمْ تَحِيَّةً ۚ مِمَّنْ عِنْدَ اللَّهِ مُبْرَكَةٌ

अपने आप पर सलाम करो अल्लाह की तरफ से भरकत वाले उमदा तडीया

طَيِّبَةً ۚ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ

के तौर पर. इसी तरह अल्लाह तुम्हारे लिये आयतें साफ़ साफ़ बयान करते हैं ताके तुम

تَعْقِلُونَ ۗ ﴿١١﴾ إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ الَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ

समझे. ईमान वाले तो वही हैं के जो ईमान लाओ हैं अल्लाह पर

وَرَسُولِهِ ۚ وَإِذَا كَانُوا مَعَهُ عَلَىٰ أَمْرٍ جَامِعٍ

और उस के रसूल पर, और जब वो रसूल के साथ होते हैं किसी इजतिमाई काम पर तो वो

لَمْ يَذْهَبُوا حَتَّىٰ يَسْتَأْذِنُوا ۚ إِنَّ الَّذِينَ يَسْتَأْذِنُونَكَ

नहीं जाते जब तक के वो रसूलल्लाह (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) से इजाजत न मांग लें. यकीनन जो आप से

أُولَٰئِكَ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ ۚ

इजाजत मांगते हैं वही हैं जो ईमान रभते हैं अल्लाह पर और उस के रसूल पर.

فَإِذَا اسْتَأْذَنُوكَ لِبَعْضِ شَأْنِهِمْ فَأَذَنْ لِمَنْ شِئْتَ

फिर जब वो आप से इजाजत तलब करें अपने किसी काम के लिये तो आप इजाजत दे दीजिये उन में से

مِنْهُمْ وَاسْتَغْفِرْ لَهُمْ ۚ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿١٢﴾

जिसे आप चाहे, और उन के लिये अल्लाह से मगफ़िरत तलब कीजिये. यकीनन अल्लाह बफ़्शने वाले, निहायत



لَا تَجْعَلُوا دُعَاءَ الرَّسُولِ بَيْنَكُمْ كَدُعَاءِ بَعْضِكُمْ

रहम वाले हैं. तुम अपने दरमियान रसूल के बुलाने को तुम्हारे अेक दूसरे के बुलाने की तरह

بَعْضًا قَدْ يَعْلَمُ اللَّهُ الَّذِينَ يَتَسَلَّلُونَ مِنْكُمْ

मत बनाओ. यकीनन अल्लाह जानता है उन लोगों को जो तुम में से चुपके से सरक कर

لِوَادَاءٍ فَلْيَحْذَرِ الَّذِينَ يُخَالِفُونَ عَنْ أَمْرِهِ

निकल जाते हैं. तो जो अल्लाह के हुकम की मुभालफत करते हैं उन्हें डरना याहिये

أَنْ تُصِيبَهُمْ فِتْنَةٌ أَوْ يُصِيبَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۳۳﴾

धस से के उन पर कोर आइत आ जाओ या उन्हें दईनाक अजाब पडोये. सुनो! यकीनन

أَلَا إِنَّ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ قَدْ يَعْلَمُ

अल्लाह की मिल्क हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों और जमीन में हैं. यकीनन अल्लाह जानता है

مَا أَنْتُمْ عَلَيْهِ وَيَوْمَ يُرْجَعُونَ إِلَيْهِ فَيُنَبِّئُهُمْ

उस को जिस पर तुम डो. और जिस दिन वो उस की तरफ लौटाओ जाओगे तो वो उन्हें उन के आमाल की

بِمَا عَمِلُوا وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۳۴﴾

भबर देगा जो उन्होंने ने किये. और अल्लाह डर चीज को भुभ जानने वाला है.

رُكُوعَاتِهَا ۶

(۱۵) سُورَةُ الْفُرْقَانِ كَبِيرَةٌ (۳۲)

آيَاتِهَا ۷۷

और ६ रुकूअ हैं

सूरअे इरकान मक्का में नाजिल हुई

उस में ७७ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ﴿۳۵﴾

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो भडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

تَبَارَكَ الَّذِي نَزَّلَ الْفُرْقَانَ عَلَى عَبْدِهِ لِيَكُونَ

भुलन्द शान वाला है वो अल्लाह जिस ने डक और भातिल के दरमियान इंसला करने वाली किताब उतारी अपने भन्दे पर

لِلْعَالَمِينَ نَذِيرًا ﴿۳۶﴾ الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمَوَاتِ

ताके वो तमाम जडान वालों के लिये डराने वाला भने. वो अल्लाह जिस के लिये आस्मानों और जमीन की

وَالْأَرْضِ وَلَمْ يَتَّخِذْ وَلَدًا وَلَمْ يَكُنْ لَهُ شَرِيكٌ

सलतनत है और उस ने कोर औलाद नहीं बनाई और उस का सलतनत में कोर

فِي الْمَلِكِ وَخَلَقَ كُلَّ شَيْءٍ فَقَدَرَهُ تَقْدِيرًا ﴿۳۷﴾

शरीक नहीं और उस ने डर चीज पैदा की, इर सब की मिकदार मुतअय्यन कर रभी है.

وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ لَّا يَخْلُقُونَ شَيْئًا

और ये अल्लाह के सिवा कछ माबूद करार देते हैं, जिन्हों ने कुछ भी पैदा नहीं किया

وَهُمْ يُخْلُقُونَ وَلَا يَمْلِكُونَ لِأَنْفُسِهِمْ ضَرًّا

बल्के वो भूद पैदा किये गअे हैं और अपनी जानों के लिये भी किसी नफ़ा नुकसान के

وَلَا نَفْعًا وَلَا يَمْلِكُونَ مَوْتًا وَلَا حَيَوًا

मालिक नहीं हैं और मौत और उयात के भी मालिक नहीं हैं और

وَلَا تُشُورًا ۱ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا إِن هَذَا

न जिन्दा हो कर उठने के मालिक हैं. और काफ़िर लोग केडते हैं के ये तो नहीं है

إِلَّا إِفْكٌ إِفْتَرَاهُ وَأَعَانَهُ عَلَيْهِ قَوْمٌ آخَرُونَ ۲

मगर जूठ जिस को ँस नभी ने घड लिया है और उस पर दूसरे लोगों ने उस की मदद की है.

فَقَدْ جَاءُوا ظُلْمًا وَ زُورًا ۳ وَقَالُوا أَسَاطِيرُ

यकीनन वो जुल्म और जूठी बात लाअे हैं. और ये लोग केडते हैं के ये तो अगलों की घडी बुँध

الْأَوَّلِينَ اكْتَتَبَهَا فَهِيَ تُمْلَى عَلَيْهِ بُكْرَةً

कडानियां हैं जिन्हें ँस नभी ने लिख लिया है, फिर वडी उस पर सुबल व शाम पण्डी

وَأَصِيلًا ۴ قُلْ أَنْزَلَهُ الَّذِي يَعْلَمُ السِّرَّ

जती है. आप इरमा दीजिये के ये उस ने उतारा है जो छुपे हुवे लेद जानता है

فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ إِنَّهُ كَانَ غَفُورًا

आस्मानों में और जमीन में. यकीनन वो बपूशने वाला, निडायत रहम

رَحِيمًا ۵ وَقَالُوا مَالِ هَذَا الرَّسُولِ يَأْكُلُ

वाला है. और ये कुइर केडते हैं के ये केसा रसूल है के वो भाना

الطَّعَامَ وَيَمْشِي فِي الْأَسْوَاقِ ۶ لَوْلَا أَنْزَلَ

भी भाना है और बाजारों में भी यलता है? उस पर कोँ इरिश्ता

إِلَيْهِ مَلِكٌ فَيَكُونُ مَعَهُ نَذِيرًا ۷ أَوْ يُلْقَىٰ

कयूं नहीं उतारा गया जो उस के साथ डराने वाला होता? या उस की

إِلَيْهِ كَنْزٌ أَوْ تَكُونُ لَهُ جَنَّةٌ يَأْكُلُ مِنْهَا ۸

तरइ भजाना डल दिया जाता या उस के लिये कोँ भाग होता जिस में से वो भाना.

وَقَالَ الظَّالِمُونَ إِنْ تَتَّبِعُونَ إِلَّا رَجُلًا مَسْحُورًا ۝

और आदिमों ने कहा के तुम तो अक मसूर शम्स के पीछे चल पडे हो.

أَنْظُرْ كَيْفَ ضَرَبُوا لَكَ الْأَمْثَالَ فَضَلُّوا

आप देखिये के उन्हों ने आप के लिये केसी मिसालें बयान की हैं, फिर वो गुमराह हो गये,

فَلَا يَسْتَطِيعُونَ سَبِيلًا ۝ تَبْرَكَ الَّذِي

अब राह नहीं पा सकते. ओंथी शान वाला है वो अल्लाह

إِنْ شَاءَ جَعَلَ لَكَ خَيْرًا مِّنْ ذَلِكَ جَدَّتْ

अगर वो चाहे तो आप के लिये उस से बेहतर आगात बना दे

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۚ وَيَجْعَلُ لَكَ

जिन के नीचे से नहरें बहती हों और आप के लिये मडल

قُصُورًا ۝ بَلْ كَذَّبُوا بِالسَّاعَةِ ۖ وَأَعْتَدْنَا

बना दे. बल्के उन्हों ने कयामत को जूठलाया. और हम ने

لِمَنْ كَذَّبَ بِالسَّاعَةِ سَعِيرًا ۝ إِذَا رَأَتْهُمْ

उस शम्स के लिये जो कयामत को जूठलाये आग तैयार कर रभी है. जब ये आग

مِّنْ مَّكَانٍ بَعِيدٍ سَبَعُوا لَهَا تَغِيظًا

उन को दूर जगा से देखेगी, तो वो उस आग का गुस्सा और चिद्वाना

وَرَفِيرًا ۝ وَإِذَا أُلْفُوا مِنْهَا مَكَانًا صَبِيحًا مُّقْرَبِينَ

सुनेंगे. और जब वो उस जहन्नम में तंग जगा में ाले जायेंगे डाय पैर जकडे डुवे

دَعَوْا هُنَالِكَ ثُبُورًا ۝ لَا تَدْعُوا الْيَوْمَ ثُبُورًا

तो वहां मौत की दृआ करेंगे. तो (इरिश्ते कहेंगे) के तुम आज अक मौत

وَإِحْدًا ۖ وَادْعُوا ثُبُورًا كَثِيرًا ۝ قُلْ أَدْرِكْ خَيْرٌ

को न पुकारो, बल्के बडोत सी मौतों को पुकारो. आप इरमा दीजिये क्या ये बेहतर है

أَمْ جَنَّةُ الْخُلْدِ الَّتِي وَعَدَ الْمُتَّقُونَ ۗ كَانَتْ

या हमेशा की वो जन्नत बेहतर है जिस का मुत्कियों से वादा किया गया है? जो

لَهُمْ جَزَاءٌ ۖ وَمَصِيرًا ۝ لَهُمْ فِيهَا مَا يَشَاءُونَ

उन का बहला और ठिकाना है. उन के लिये उस जन्नत में वो तमाम चीजें होंगी जो वो चाहेंगे

خُلِدِينَ ۶ كَانَ عَلَى رَبِّكَ وَعَدًّا مَسْئُولًا ۱۵

उभेशा रहेंगे. अल्लाह के जिम्मे ये लाजिम है जैसे वादे के तौर पर जिस का सवाल किया जा सकता है.

وَيَوْمَ يَحْشُرُهُمْ وَمَا يَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ

और जिस दिन अल्लाह उन्हें और जिन चीजों की ये ईबादत करते हैं अल्लाह को छोड़ कर के उन को धकड़ा

فَيَقُولُ ءَأَنْتُمْ أَضَلَلْتُمْ عِبَادِي هَؤُلَاءِ

करेगा, फिर अल्लाह कहेगा क्या तुम ने मेरे धन बन्दों को गुमराह कर रखा था

أَمْ هُمْ ضَلُّوا السَّبِيلَ ۱۶ قَالُوا سُبْحَانَكَ مَا كَانَ

या वो भ्रष्ट रास्ते से भटक गये थे? माबूद कहेंगे के आप पाक हैं! हमारे लिये

يَنْبَغِي لَنَا أَنْ نَتَّخِذَ مِنْ دُونِكَ

मुनासिब नहीं था के हम आप के अलावा कोई डिमायती

مِنْ أَوْلِيَاءَ وَلَكِنْ مَتَّعْتَهُمْ وَآبَاءَهُمْ حَتَّى نَسُوا

बनाते, लेकिन आप ने उन को और उन के बाप दादा को आसूहगी अता की यहां तक के वो ये

الدِّكْرَ ۱۷ وَكَانُوا قَوْمًا بُورًا ۱۸ فَقَدْ كَذَّبُوكُمْ

जिक झुला बैठे. और वो उलाक डोने वाली कौम थी. अब धन माबूदों ने तुम्हारी बातों में तुम्हें

بِمَا تَقُولُونَ ۱۹ فَمَا تَسْتَطِيعُونَ صَرْفًا وَلَا نَصْرًا ۲

जूठा ठेकराया, धस लिये अजाब उटाने और अपनी नुस्रत करने की तुम ताकत नहीं रख सकोगे.

وَمَنْ يَظْلِمْ مِّنْكُمْ نُدِقْهُ عَذَابًا كَبِيرًا ۱۹

और जो तुम में से जुल्म करेगा तो हम उसे बडा अजाब यभायेंगे.

وَمَا أَرْسَلْنَا قَبْلَكَ مِنَ الْمُرْسَلِينَ

और हम ने आप से पेडले जितने रसूल भेजे

إِلَّا أَنَّهُمْ لِيَأْكُلُونَ الطَّعَامَ وَ يَشْتُونَ

वो सब खाना खाते थे और भाजारों में

فِي الْأَسْوَاقِ ۲ وَجَعَلْنَا بَعْضَكُمْ لِبَعْضٍ فِتْنَةً ۲

यलते थे. और हम ने तुम में से अेक को दूसरे के लिये आजमाईश (का जरिया) बनाया है.

أَتَصْبِرُونَ ۳ وَكَانَ رَبُّكَ بَصِيرًا ۲

क्या तुम सध्र करते हो? और आप का रब सब देख रहा है.